वर्ष 25 अंक 269
पृष्ठ 20
बरेली, मंगलवार
10 जून 2014
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 3.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

किताबों से नहीं मिलता व्यवहारिक ज्ञान

छात्रों को जानकारी देते विशेषज्ञ।

जागरण संवाददाता, बरेली: राममूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में सोमवार को इंस्पायर इंटर्नशिप प्रोग्राम शुरू हुआ। इस मौके पर जेएनयू दिल्ली के न्यूरो बायोलॉजी ऑफ ऐजिंग के प्रोफेसर दीपक शर्मा ने न्यूरो साइंस की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इंस्पायर के महत्व को हम समाज और समूह में रहकर जो ज्ञान सीखते है वह किताबों में नहीं मिल सकता। उन्होंने कहा कि निपुणता व्यक्ति का जीवन आसान कर देती है। नेशनल एकेडिमी एंड काउंसिल फार साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सदस्य प्रो. लक्ष्मीकांत शर्मा ने कहा कि इमैजिनेशन, क्रियेशन, ज्ञान, स्किल्स और एक्शन सफलता के लिए बहुत जरूरी चीजें है। इस मौके पर डॉ. प्रभाकर गुप्ता, रतीश अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, सुभाष मेहरा, डॉ. केके तिवारी आदि मौजूद रहे। संचालन अमर प्रताप सिंह ने किया।

उधर एसआरएमएस कॉलेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में सोमवार को बीटेक अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए पूल कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया। जिसमें लखनऊ, बरेली और मुरादाबाद के संस्थानों के कुल 120 छात्रों ने भाग लिया। इसमें से 30 छात्र टेक्निकल इंटरव्यू तथा एचआर इंटरव्यू के लिए उत्तीर्ण घोषित किए गए। जिसमें से 12 छात्रों को अंतिम साक्षात्कार के लिए बुलाया गया। इस मौके पर ट्रस्ट प्रशासक प्रो. सुभाष मेहरा, सचिव आदित्य मूर्ति डॉ. प्रभाकर गुप्ता, फरहान अली खान, डॉ. मुहम्मद मुअज्जम आदि मौजूद रहे।